

31-05-18

पत्रावली पेश हुई। प्रार्थी दायिर सुना गया जवाब सरकार पेश हुआ। संक्षेप में प्रकरण के तथ्य इस प्रकार हैं कि ग्राम केबानिया की जमाबंदी संवत् 2069-72 के खाता सं. नया-पुराना 109-497 तथा खाता सं. नया-पुराना 107-107 में खतदार धौ टुसिंह पुत्र रणजितसिंह नाम दर्ज है जबकि खाता सं. नया-पुराना 176-299, 178-300, 270-167 में वादी का नाम रणभारतसिंह है। वादी ने समस्त खातों में रणभारतसिंह दर्ज करने की प्रार्थना करते हुए वादपत्र प्रस्तुत किया है। अपने कथन के समर्थन में ग्राम पंचायत केबानिया का प्रार्थना-पत्र परिवार राशन कार्ड सं. 00273 आम आदमी का अधिकार-पत्र सं. 9430/173-9242 व पहचान पत्र भारत निर्वाचन आयोग का पहचान पत्र सं. RJ 12/101/255278 प्रस्तुत किया जिसमें रणभारतसिंह का नाम दर्ज है। धौ टुसिंह गलत नाम है जिसे दुरुस्त करने का निवेदन किया।

प्रार्थी दिनांक 30/12/2016 को तहसीलदार टांरौरी से नाम दुरुस्त करने के का निवेदन किया किन्तु उन्होंने मना कर दिया। अतः वादी ने वाद पत्र प्रस्तुत किया है तथा डिफ्रि जारी करने की प्रार्थना की है।

तहसीलदार टांरौरी का जवाब पेश हुआ जिसका अवलोकन किया गया। तहसीलदार की रस विपरित तथ्य प्रस्तुत करने में विफल रहे हैं। जिससे वादी का वाद विफल

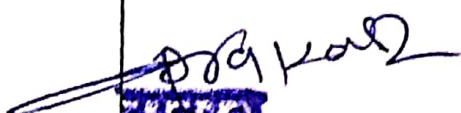
1

हो । प्रस्तुत पत्रावली का अवलोकन किया गया ।
 ग्राम बैकानिया में छोट्टु सिंह वल्द रणविरसिंह अपने
 नाम को ठुसुस्त कर रणभारतसिंह करवाना चाहते हैं
 किन्तु छोट्टु सिंह का नाम किन परिस्थितियों में दर्ज
 हुआ सुस्पष्ट नहीं कर पाए हैं अतः तहसीलदार
 टांटीदी नर / पुराने शिलिंग नियम के परिप्रेक्ष्य में
 प्रकरण की जांच करें तथा आराजी प्रसन्नगत को
 जोड़ने से छोट्टुसिंह, रणभारतसिंह तथा रणविरसिंह
 पर प्रभाव आता हो तो तदनुसार कार्यवाही करें तथा
 अ इन नियमों में परिकुल प्रभाव नहीं हो तो बाद
 जांच कार्यवाही करें ।

खर्चा फरिब्त अपना-अपना वहन करें ।

12

अध्यक्ष


सदस्य


सदस्य

लोक अदालत शिविर
सरवाड़ (अजमेर)

लोक अदालत शिविर
सरवाड़ (अजमेर)

लोक अदालत शिविर
सरवाड़ (अजमेर)